वर्ष 2020-21

पाठ्यक्रम विवरण : (जुलाई से नवम्बर 2021)

पाठ्यक्रम :बी.ए प्रोग्राम

सत्र : तृतीय

पेपर : रचनात्मक लेखन

शिक्षक : डॉ. शिवानी सक्सेना / डॉ. कवितेंद्र इंदु

पाठ्यक्रम

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत

- भाषा एवं विचार की रचना रूपांतरण की प्रक्रिया
- विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, गद्य अभिव्यक्तियाँ
- जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति
- लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य, बाललेखन-प्रौढ़लेखन, मुद्रित-इलेक्ट्रानिक आदि

इकाई 2 : रचनात्मक लेखन : आधार और विश्लेषण

- अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ- मीमांसा, शब्द के प्राक्-प्रयोग, नव्य-प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि
- भाषा की भंगिमाएँ : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक
- भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष
- रचना सौष्ठव : शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिम्ब, अलंकरण और वक्रताएं

इकाई 3 : विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

- कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा- सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक़
- कथा साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श
- नाट्य साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म
- विविध गद्य विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग, रिपोतार्ज आदि
- बालसाहित्य की आधारभूत संरचना

इकाई 4 : सूचना-तंत्र के लिए लेखन

- प्रिंट माध्याम : फ़ीचर लेखन, यात्रा वृतांत, साक्षात्कार, पुस्तक समीक्षा आदि
- इलेक्ट्रानिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फ़िल्म पटकथा लेखन,

पाठ्यक्रम विवरण

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थीयों में हिंदी भाषा में रुचि एवं मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने में मदद मिलेगी। उनमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास हो सकेगा। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से उन्हें साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय होगा जिसमें वे स्वयं भी इन विधाओं में लेखन की ओर अग्रसर हो सकेंगे। प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक माध्यमों के लिए लेखन की ओर भी वे अग्रसर होंगे।

शिक्षण समय : 16 सप्ताह (लगभग)

कक्षाएं : इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सप्ताह के चार दिन प्रस्तुत समयसारणी द्वारा आयोजित की जाएगी | विद्यार्थियों को विषय से सम्बंधित पुस्तकों की जानकारी प्रदान की जाएगी, साथ ही विषय से सम्बंधित विद्वानों द्वारा लिखित सामग्री दी जाएगी|

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :

सप्ताह	विषय
सप्ताह 1	भाषा एवं विचार की रचना रूपांतरण की प्रक्रिया
	विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, गद्य अभिव्यक्तियाँ
सप्ताह 2	जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य, बाललेखन-प्रौढ़लेखन, मुद्रित-इलेक्ट्रानिक आदि
सप्ताह 3	**पुर्नावृत्ति एंव प्रथम assignment**
सप्ताह 4	अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ- मीमांसा, शब्द के प्राक्-प्रयोग, नव्य-प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि
सप्ताह 5	भाषा की भंगिमाएँ : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष

सप्ताह 6	**पुर्नावृत्ति एंव द्वितीय assignment**
सप्ताह 7	रचना सौष्ठव : शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिम्ब, अलंकरण और वक्रताएँ
सप्ताह 8	कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा- सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक़
सप्ताह 9	कथा साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श
सप्ताह 10	नाट्य साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म
सप्ताह 11	विविध गद्य विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग, रिपोतार्ज आदि
सप्ताह 12	बालसाहित्य की आधारभूत संरचना, प्रिंट माध्याम : फ़ीचर लेखन,
सप्ताह 13	**क्लास टेस्ट, परियोजना कार्य**
सप्ताह 14	यात्रा वृतांत, साक्षात्कार, पुस्तक समीक्षा, इलेक्ट्रानिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फ़िल्म पटकथा लेखन

सम्बंधित पुस्तकें :

- साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम – रघुवंश
- शैली – रामचंद्र मिश्र
- रचनात्मक लेखन – सपा. रमेश गौतम
- कला की ज़रूरत – अनु. रमेश उपाध्याय
- साहित्य का सौंदर्यचिंतन – रविंद्रनाथ श्रीवास्तव
- कविता से साक्षात्कार – मलयज
- एक कवि की नोट बुक – राजेश जोशी
- हिंदी साहित्य का छंद-विवेचन – गौरीशंकर मिश्र द्विजेंद्र
- कविता क्या है – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- पत्रकारी लेखन के आयाम – मनोहर प्रभाकर